स्वर्णिम युग की स्थापना का लक्ष्य था बापू का सपना–दादी जानकी

बुराईयों को उखाड़ फेंकने के साथ रामराज्य की स्थापना का संकल्प लिया बुद्धिजीवियों ने

आबू रोड, 2 अक्टूबर, निसं। भारत के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने स्वर्णिम भारत का सपना देखा था। आजादी के 63 साल बाद भी सपना अभी अधूरा है। आज समय की पुकार है कि सभी को मिलकर मनुष्यता की आवाज को बुलन्द करते हुए नवीन भारत निर्माण के लिए सभी को मिलकर साझा प्रयास करने की सख्त जरूरत है। इसके लिए जरूरी है कि मानवी प्रतिष्ठा को प्रभावित करने वाली आसुरी प्रवृतियों का सफाया करें। उक्त उदगार प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी गांधी जयंती पर आयोजित स्वर्णिम युग की स्थापना के लिए परमात्म अवतरण महोत्सव के उदघाटन सत्र में भारत तथा नेपाल से आये सभी वर्गों के चार हजार बुद्धिजीवियों को सम्बोधित कर रही थी।

आगे दादीजी ने कहा कि बापू का नारा सत्य और अहिंसा था। आज हिंसा और असत्य के बादल दिनोदिन गहराते जा रहे है। इसलिए मनुष्यता का अस्तित्व मिटने के कगार पर है। इसलिए अब परमात्मा स्वयं भारत के निर्माण के लिए सर्व मनुष्यात्माओं को आह्वान कर रहे है। ऐसे में सभी लोगों को देश में एकता, अखंडता और मूल्यनिष्ठ समाज की स्थापना में लग जाना चाहिए। यही इस महोत्सव का लक्ष्य है और संदेश भी।

पूर्व केन्द्रियमंत्री तथा सूरत के सांसद काशीराम राणा ने कहा कि परमात्मा को पहचानने तथा उनसे मिलने के लिए कोई अच्छे कपड़े पहनने की जरूरत नही, बल्कि आन्तरिक परिवर्तन की जरूरत है। आज का माहौल रावणराज्य को प्रदर्शित कर रहा है। आज हालात यह है कि दुनियां में हर पाचवां भारत का करप्ट है यह गम्भीर चिंता का विषय है। आज हमें अपने अन्दर के कीचड़ों को साफ करने की जरूरत है। तभी हम परमात्मा तथा बापू के सपनों का भारत बनाने में सफल होंगे। बढ़ते अपराधों पर अंकुश लगाने का मात्र यही एक जरिया है बाकी सभी अस्त्र तो अपनाये जा चुके हैं। इसलिए परमात्मा के आदेशों का पालन करते हुए जीवन को बदलने की जरूरत है।

संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी ने कहा कि स्वर्णिम युग की स्थापना तब तक नहीं होगी जब तक हमारी सोच में सात्विकता, नि:स्वार्थ और प्रेमपूर्ण सोच विकसित नहीं होगी। इसलिए सभी लोगों को अपने सोच के आधार को पवित्र और शुद्ध बनाना होगा। संस्था के महासचिव ब्र0 कु0 निर्वैर ने अयोध्या और बाबरी मस्जिद पर आये फैसले की इंगित करते हुए कहा कि यह आने वाले समय के लिए अच्छा संकेत है। अब लोगों को इसे आगे बढ़ाते हुए नये सूरज की रोशनी को आगाज करना होगा। अब वक्त आ गया है कि हम भारत को पुन: देवतुल्य बनाने की सार्थक पहल करें।

ग्राम विकास प्रभाग की अध्यक्षा ब्र0 कु0 मोहिनी बहन ने सभा में आये लोगों को ईश्वरानुभूति करायी। कार्यक्रम का संचालन ब्र0 कु0 शीलू ने किया। इससे कार्यक्रम के दौरान सम्माननीय अतिथियों द्वारा दीप जलाकर महोत्सव का उदघाटन किया गया। कुमारी निवेदिता ने नृत्य प्रस्तुत कर महोत्सव का आगाज किया।

फोटो, 2एबीआरओपी, 1, 2, 3, 4 दीप जलाकर महोत्सव का उदघाटन करते अतिथि। सभा में उपस्थित बुद्धिजीवियों का समूह। सम्बोधित करती दादी जानकी तथा अन्य।